

बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा - चतुर्थ

दिनांक -20 - 01- 2021

विषय -हिन्दी

विषय शिक्षक -पंकज कुमार

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज निपात अव्यय के बारे में अध्ययन करेंगे ।

निपात अव्यय

निपात अव्यय की परिभाषा

जो वाक्य में नवीनता या चमत्कार उत्पन्न करते हैं उन्हें निपात अव्यय कहते हैं। जो अव्यय शब्द किसी शब्द या पद के पीछे लगकर उसके अर्थ में विशेष बल लाते हैं उन्हें निपात अव्यय कहते हैं। इसे अवधारक शब्द भी कहते हैं। जहाँ पर ही , भी , तो , तक ,मात्र , भर , मत , सा , जी , केवल आते हैं वहाँ पर निपात अव्यय होता है।

जैसे-

- प्रशांत को ही करना होगा यह काम।
- सुहाना भी जाएगी।
- वह तुमसे बोली तक नहीं।
- पढाई मात्र से ही सब कुछ नहीं मिल जाता।

निपात के भेद

- उपमार्थक निपात: यथा- इव, न, चित्, नुः
- कर्मोपसंग्रहार्थक निपात: यथा- न, आ, वा, ह;
- पदपूरणार्थक निपात: यथा- नूनम्, खलु, हि, अथ।

निपात के प्रकार

निपात के नौ प्रकार या वर्ग हैं-

स्वीकार्य निपात- जैसे : हाँ, जी, जी हाँ।

नकरार्थक निपात- जैसे : नहीं, जी नहीं।

निषेधात्मक निपात- जैसे : मत।

पश्चबोधक- जैसे : क्या ? न।

विस्मयादिबोधक निपात- जैसे : क्या, काश, काश कि।

बलदायक या सीमाबोधक निपात- जैसे : तो, ही, तक, पर सिर्फ, केवल।

तुलनबोधक निपात- जैसे : सा।

अवधारणबोधक निपात- जैसे : ठीक, लगभग, करीब, तकरीबन।

आदरबोधक निपात- जैसे : जी।